बिहार के पिछड़ेपन को दूर करना

1332. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या बिहार की गणना पिछड़े राज्यों में की जाती है ;

(ख) यदि हां, तो क्या बिहार के मुख्य मंत्री ने राज्य के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए केन्द्रीय सरकार को एक योजना पेश की है, यदि हां, तो इस योजना की मुख्य बातें क्या है; और

(ग) इस बारे में केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहन धारिया) . (क) जी हां ।

(ख) बिहार राज्य के पिछड़ेपन को दूर करने के लिये मुख्य मंत्री द्वारा भेजी गई स्कीम की कोई जानकारी योजना आयोग को नहीं है । फिर भी पिछड़ेपन के मामले पर उन्होंने चर्चा की और अपनी स्कीम भेजने को कहा है ।

(ग) प्रश्न नही उठता ।

बिहार स्वतंत्रता सेनानी सहायता समिति द्वारा दिया गया सुझाव

1333. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत जनवरी में बिहार स्वतंत्रता सेनानी सहायता समिति की ओर से कोई प्रतिनिधिमण्डल उनसे मिला था ;

(ख) यदि हां, तो क्या प्रतिनिधिमण्डल से कोई सुझाव भी दिया था ; और

(ग) यदि हां, तो उसके मुख्य बातें क्या हैं और उनके सम्बन्ध में सरकार की क्या क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय मे उपमंत्री (श्री एफ० एच० मोहसिन) . (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) और (ग). बातचीत का सम्बन्ध पेंशन के मामलों को शीघ्र निपटाने को सरल बनाने की प्रक्रिया से था । स्वीकृतियां शीघ्र जारी करने के लिए हर प्रयत्न किये जा रहे है ।

प्राकृतिक सम्पदा के विकास के लिए बोर्ड के गठन करने का प्रस्ताव

1334 **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या विज्ञान और प्रौद्योगिक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंडियन नेशनल साइंस एकैडमी के अध्यक्ष श्री वी० आर० शेषाचार ने गत दिसम्बर महिने मे हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसधान रजत जयंती का उद्घाटन करते हुए प्राकृतिक सम्पदा विकास एवं वृद्धि के लिये एक समिति या बोर्ड के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके बार में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

औद्योगिक विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री सी० सुब्रमण्यम): (क) जी हां ।

(ख) देश के प्राकृतिक संसाधनों सम्पदा का विकास कई मंत्रालयों के क्षेत्राधीन है एवं ऐसे मंडल (बोर्ड) की स्थापना के विचार से पहले अन्तर–मंत्रालय परामर्श तथा विचार विमर्श की प्रचुर आवश्यकता होगी ; यह विषय विचाराधीन है ।